वी.यू. में व्यवसायिक पशुपालन को प्रोत्साहान हेतु युवा उद्यमी संवाद का सफल आयोजन

जबलपुर। नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के माननीय कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी के मार्गदर्शन में एवं संचालक विस्तार शिक्षा डॉ. सुनील नायक के नेतृत्व में युवा संवाद का सफल आयोजन किया गया। संचालनालय, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, कामधेनु भवन, वैशाली नगर, मध्यप्रदेश शासन, भोपाल एवं संचालनालय विस्तार शिक्षा ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर के संयुक्त तत्वधान में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश रोडमैप में मध्यप्रदेश के युवाओं को पशुपालन के क्षेत्र में आकर्शित करने हेतु युवा उद्यमी संवाद का वर्चुअल आयोजन किया गया। जिसमें माननीय कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी, ना.दे.प.चि.वि.वि, जबलपुर, माननीय अपर मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, श्री जे.एन. कंसोटिया, संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग भोपाल, डॉ. आर.के. मेहिया, अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, डॉ. आर.के. शर्मा, एवं प्रदेश के पशुपालन विभाग के समस्त उपसंचालक, पशुचिकित्सा सहायक शल्यज्ञ पशुपालन में लगे युवा उद्यमी एवं पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के इंटरशिप के छात्र–छात्राएं वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे। माननीय कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम सें युवाओं को स्वरोजगार एवं उद्यमिता विकास पशुपालन के क्षेत्र में आकर्षित होगें। हमारे प्रदेश का युवा पशुपालन के माध्यम सें आजीविका कमायेगें, तथा प्रदेश एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा। इसके तत्यपश्चात श्री जे.एन.कंसोटिया जी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि कृषको एवं पशुपालकों की आय दुगुनी करने हेतु कृषि के साथ–साथ पशुपालन भी अत्यंत आवश्यक है, उन्होने प्रदेश के युवा युद्यमियों/छात्र–छात्राओं को वि.वि. द्वारा समय–समय पर पशुपालन संबंधी जानकारी देते हेतु वि.वि. की भूरी–भूरी प्रशंसा की। डॉ. सुनील नायक, संचालनालय विस्तार शिक्षा द्वारा युवा उद्यमी संवाद के बारे में कहा की इस तरह होने वाले संवाद से पशुपालकों एवं वैज्ञानिकों के मध्य लगातार जानकारियों का आदान प्रदान हो रहा हैं एवं पशुपालक व व्यवसाय के नये रास्तों के लिये प्रेरित हो रहे है। जानकारी देते हुये कहा कि पशुपालन विभाग के अधिकारी ने प्रदेश की समस्त स्नातक महाविद्यालयों में जा–जाकर छात्र–छात्राओं को पशुपालन के क्षेत्र में रोजगार की अपार व्यवसायिक संभावनाओं के बारे में जानकारी दे रहे है।

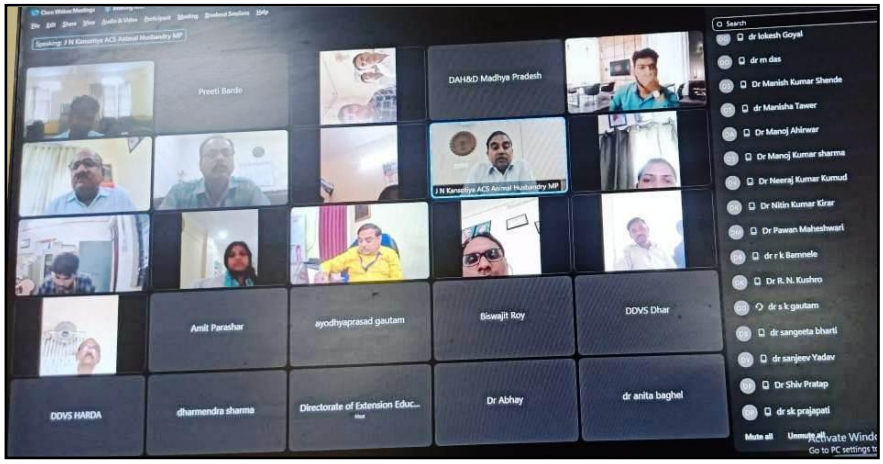

इस कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 150 से अधिक युवाओं ने हिस्सा लिया। इस युवा संवाद कार्यक्रम में निम्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। डॉ. विस्वजीत राय ने, बकरी पालन से संबधित व्यवसाय के बारे में, डॉ. मनोज अहिरवार ने, अफ्रीकन स्वान फ्लू रोग की

रोकथाम के उपचार पर, डॉ. संदीप नानावटी महू ने, डेरी पालन के बारे में, डॉ. ललित मौर्य ने, पशुपालन के क्षेत्र में वित्त प्रबंधन नाबार्ड प्रतिनिधि, प्रदेश की पशुपालन संबंधी विभागीय योजनाओं की जानकारी, डॉ. देवेन्द्र गुप्ता ने लम्पी स्किन रोग रोकथाम अपने सुझाव व सलाह दिये, दुग्ध प्रसंस्करण, डॉ. ए.के. लिखी/डॉ. गौरव थोराट, म.प्र. पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम, भोपाल आदि विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

इस कार्यक्रम का सफल आयोजन व संचालन डॉ. रूचि सिंह एवं डॉ. हरि. आर. सहायक प्राध्यापक, विस्तार शिक्षा विभाग, जबलपुर ने किया एवं कार्यक्रम मैं संचालनालय विस्तार शिक्षा के समस्त स्टाफ का महत्वपूर्ण योग्यदान रहा। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन श्री देवेश उपाध्याय एस. आर.एफ द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर